न्यू-पैटर्न पर आधारित प्रश्न-पत्र-02

सामान्य हिन्दी (इण्टरमीडिएट मॉडल प्रश्नपत्र/अनुमानित प्रश्नपत्र)

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

निर्देश: पूर्ववत्। **(खण्ड-क)**

प्र० 1. (क) 'हिन्दी प्रदीप' के सम्पादक हैं– 1

(अ) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन'

(ब) पं० बालकृष्ण भट्ट (स) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(द) प्रताप नारायण मिश्र।

(ख) गद्य की किस विद्या में काल्पनिक प्रसंगों का स्थान नहीं है? 1

(अ) कहानी (ब) उपन्यास

(स) नाटक (द) आत्मकथा

(ग) 'सच्ची वीरता' नामक निबन्ध के लेखक हैं– 1

(अ) वासदेव शरण अग्रवाल

(ब) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(स) रायकृष्ण दास (द) सरदार पूर्ण सिंह

(घ) हरिशंकर परसाई का निबन्ध-संग्रह है– 1

(अ) आलोक पर्व (ब) त्रिशंकु

(स) पगडण्डियों का जमाना (द) परिवेश

(ङ) 'अष्टयाम' के रचनाकार हैं– 1

(अ) नाभादास (ब) प्रेम दास

(ब) चतुर्भुजदास (द) भगवान दास

प्र० 2. (क) भक्तिकाल का काव्य-ग्रन्थ नहीं है– 1

(अ) पदमावत (ब) पृथ्वीराज रासो

(स) रामचरितम मानस (द) सूरसागर

(ख) छायावादी काव्य की वृहद्-त्रयी के रचनाकार नहीं हैं– 1

(अ) प्रसाद (ब) पन्त

(स) निराला (द) महादेवी वर्मा।

(ग) 'पृथ्वीराज रासो' में प्रधानता है– 1

(अ) शृंगार रस की (ब) वीर रस की

(स) शान्त रस की (द) हास्य रस की

(घ) 'भक्ति काल' का समय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने माना है– 1

(अ) सम्वत् 1000 से सम्वत् 1375 तक

(ब) सम्वत् 1375 से सम्वत् 1700 तक

(स) सम्वत् 1040 से 1370 तक

(द) सम्वत् 950 से सम्वत् 1440 तक

(ङ) कामायनी में 'श्रद्धा सर्ग' किस सर्ग के बाद आता है? 1

(अ) आशा सर्ग के (ब) चिन्ता सर्ग के

(स) काम सर्ग के (द) लज्जा सर्ग के।

प्र० 3. निम्नलिखित गद्यावतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2×5=10**

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित है, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक

की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुत: जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्याताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलने वाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्राय: असमर्थ ही रह जाती है।

(क) उपर्युक्त गद्यावतरण का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) कोई भी चीज समाज में मान्य क्यों नहीं होती है?

(घ) किस प्रकार का समाज आगे नहीं बढ़ पाता है?

(ङ) कैसी भाषा जन-चेतना को गति देने में असमर्थ रह जाती है?

अथवा

समृद्धि और अध्यात्मक एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ: लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंतत: हमारी आज़ादी को बनाए रखने में सहायक है। आप अपने आस-पास देखेंगे तो पायेंगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए। मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी।

(क) उपर्युक्त गद्यावतरण का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) लेखक क्या नहीं मानता है?

(घ) समृद्धि अपने साथ क्या लाती है?

(ङ) हमारी आजादी को बनाए रखने में कौन सहायक है?

प्र० 4. निम्नलिखित पद्यावतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×5=10

ज्यों-ज्यों लगती नाव पार,
उर में आलोकित शत-विचार।
इस धारा-सा जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्गम,
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम।
शाश्वत नभ का नीला विकास, शाश्वत शशि का यह रजत हास,
शाश्वत लघु लहरों का विलास।
हे जग-जीवन के कर्णधार, चिर जन्म-मरण के आर-पार
शाश्वत जीवन नौका विहार।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) संसार में शाश्वत क्या-क्या है?
(घ) कवि के मन में नौका-विहार करते समय कैसे विचार उत्पन्न हो रहे हैं?
(ङ) कवि ने जीवन को किसके समान कहा है?

अथवा

मेरा जीवन ललकार बने, असफलता ही असि धार बने,
इस निर्मम रण में पग-पग का रुकना ही मेरा वार बने।
भव सारा तुझको है स्वाहा, सब कुछ तप कर अंगार बने,
तेरी पुकार-सा दुर्निवार मेरा यह नीरव प्यार बने।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) कवि जीवन की असफलताओं को क्या मानते हैं?

(घ) सर्वस्व न्यौछावर करने के बाद कवि का जीवन क्या बन जायेगा?

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश में कैसी भाषा का प्रयोग हुआ है?

प्र० 5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय एवं कृतित्व का उल्लेख 80 शब्दों की कीजिए। 3+2=5

(अ) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम।

(ब) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी (स) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय और कृतित्व लगभग 80 शब्दों में लिखिए। 3+2=5

(अ) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध

(ब) महादेवी वर्मा

(स) जयशंकर प्रसाद

प्र० 6. 'ध्रुवयात्रा' **अथवा** 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। (शब्द सीमा अधिकतम-80) 5

अथवा 'पंचलाइट' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्र० 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा–80) **5**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'गुरु परशुराम' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक एवं दृष्टिकोण को संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र चित्रण लिखिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के कथानक की समीक्षा कीजिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के सर्वाधिक मार्मिक सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

अथवा 'श्रवण कुमार' के आधार पर 'राजा दशरथ' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(खण्ड-ख)

प्र० 8. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

महामना विद्वान वक्ता, धार्मिको नेता पटुः पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्चगुण जनसेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान दुःखितान् पीड्यमानाश्चापश्यत् तत्रैव स शीघ्रमेव उपस्थितिः सर्वविधः साहाम्यञ्च अकरोत्। प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत्। अद्यास्माकं मध्येऽनुपस्थितोऽपि महामना मालवीयाः स्वयशसोऽमूर्त रूपेण प्रकाशं वितरन अन्धे तमसि निमग्नान् जनान सन्मार्गं दर्शयन् स्थाने-स्थाने जने-जने उपस्थित एवं।

अथवा पञ्चशीलमिति शिष्टाचारविषयकाः सिद्धान्ताः। महात्मा गौतमबुद्धः एतान् पञ्चापि सिद्धान्तान् पञ्चशीलमिति नाम्ना स्वशिष्यान् शास्तिस्म। अतएवायं शब्दः अधुनापि तथैव स्वीकृतः। इमे सिद्धान्ताः क्रमेण एवं सन्ति - (1) अहिंसा, (2) सत्यम्, (3) अस्तेयम्, (4) अप्रमादः, (5) ब्रहमचर्यम् इति।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी का एक सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए– 2+5=7

भाषासु मुख्यां मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।

अथवा सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।।

प्र० 9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए– 1+1=2

(क) अपने पैरों पर खड़े होना (ख) ईद का चाँद होना
(ग) होनहार विरवान के होत न चीकने पात।
(घ) राम नाम जपना पराया माल अपना।

प्र० 10. (क) निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए–

(i) 'वाचनालयः' का संधि-विच्छेद है– 1
(अ) वाच + नलयः (ब) वाचन + आलयः
(स) वाचन + लयः (द) वाचन् + आलयः

(ii) 'पावकः' का संधि-विच्छेद है– 1
(अ) पाव + अकः (ब) पा + वकः
(स) पौ + अकः (द) पो + अकः

(iii) 'सूर्योदय' का संधि-विच्छेद है– 1
(अ) सूर्यो+दयः (ब) सूर्य + उदयः
(स) सूर + ओदयः (द) सूर + उदयः

(ख) निम्नलिखित शब्दों की विभक्त और वचन के सही विकल्प का चयन कीजिए– 1+1=2

(i) 'राज्ञाम्' में विभक्ति और बहुवचन है–
(अ) षष्ठी विभक्ति, एकवचन
(ब) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन
(स) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन
(द) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'सरिता' में विभक्ति और वचन है–

(अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(स) तृतीया विभक्ति, एकवचन
(द) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

प्र० 12. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों के उचित अर्थ का चयन कीजिए– 1+1=2

(i) हिमांबु-हिमांशु
(अ) शीत और हिमालय (ब) ओस और हिमखण्ड
(स) शीतल जल और चन्द्रमा (द) शरद और चन्द्रमा

(ii) कृश-कृषि–
(अ) दुबला-पतला और किसान (ब) दुबला और खेत
(स) किसाान और खेती (द) दुबला और खेती

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए। 1+1=2

(अ) कुल (ब) नग (स) नाग

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए– 1+1=2

(i) कम खर्च करने वाला–
(अ) मितव्ययी (ब) खर्चीला
(स) खर्चालु (द) अतिव्ययी

(ii) जो लोगों में प्रिय हो–
(अ) लोग प्रिय (ब) प्रसिद्ध
(स) लोकप्रिय (द) विख्यात

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध कीजिए– 1+1=2

(अ) वह मुझे बुलाया है।
(ब) सभा में अनेकों वक्ता थे।
(स) पक्षी पेड़ में बैठा है।
(द) रमेश के पास मात्र केवल पचास रुपया बचा है।

प्र० 13. (क) 'शृंगार' **अथवा** 'करुण रस' की परिभाषा अथवा स्थायी भाव एवं उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ख) 'अनुप्रास' **अथवा** 'उपमा' अलंकार की परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(क) 'दोहा' **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण अथवा मात्रा सहित उदाहरण लिखिए। 1+1=2

प्र० 14. अपने नगर में बाढ़ एवं घनघोर वर्षा के बाद जल-भराव एवं गन्दगी के कारण संक्रामक रोग फैलने की आशंका को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी को एक पत्र लिखिए। 2+4=6

अथवा किसी महाविद्यालय में कनिष्ठ लिपिक के रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु विद्यालय-प्रबन्धक के नाम एक आवदेन-पत्र लिखिए।

प्र० 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रूपरेखा बनाते हुए अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए। 2+7=9

(क) भारत में आतंकवाद : समस्या-समाधान
(ख) मेरा प्रिय कवि (ग) विज्ञान वरदान या अभिशाप
(घ) शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी
(ङ) भ्रष्टाचार निवारण